

भक्त्यानुस्मृति

श्रीफणी पालाकोडेटी

Contents

| | | |
|-----|-----------------------------------|---|
| 1 | गणेश श्लोकाः | 5 |
| 1.1 | संकटनाशन गणेश स्तोत्रम् | 7 |

Chapter 1

गणेश श्लोकाः

शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजम् ।
प्रसन्नवदनं ध्यायेत् सर्वविघ्नोपशान्तये ॥

अवन्त्यखण्डे स्कन्दपुराणे

- शुक्लाम्बरधरं = शुक्ल + अम्बर + धरं
- शशिवर्णं = शशि + वर्णं
- चतुर्भुजम् = चतुर् + भुजम्
- प्रसन्नवदनं = प्रसन्न + वदनं
- सर्वविघ्नोपशान्तये = सर्व + विघ्न + उपशान्तये

Sri Vishnu - who wears white, is of a moon-like complexion, is four-armed, and has a pleasant visage - we meditate on Him to ward off all obstacles.

अगजानन पद्मार्कं गजाननं अहर्निशम् ।
अनेकदंतं भक्तानां एकदन्तं उपास्महे ॥

- अगजानन = अगजा + आनन
- पद्मार्क = पद्म + अर्क
- गजानन = गजा + आनन
- अहर्निशा = अहः + निशा
- अनेकदंत = अनेक + दम् + तम्
- एकदन्त = एक + दन्त

We meditate on Lord Ganesha,
who has the face of an elephant,
whose presence always causes Devi
Parvati's face to bloom like a lotus,
who grants the many wishes and
desires of His devotees,
and who possesses one tusk.

1.1 संकटनाशन गणेश स्तोत्रम्

नारद उवाच ।

प्रणम्य शिरसा देवं गौरीपुत्रं विनायकम् ।

भक्तावासं स्मरेन्नित्यमायुष्कामार्थसिद्धये ॥

- | | |
|---|---|
| • गौरीपुत्रं = गौरी + पुत्रं | We prostrate in front of Lord Vinayaka, the son of Devi Gauri, the abode of His devotees, One who is always remembered at- tainment of longevity, the fulfill- ment of desires, and wealth. |
| • भक्तावासं = भक्त + आवासं | |
| • स्मरेन्नित्यमायुष्कामार्थसिद्धये = स्मरेत् + नित्यम् + आयुष् + काम + अर्थ + सिद्धये | |